यीशु में यारो मज़ा ही मज़ा है,

आसुदा कर दे वो ऐसी गिज़ा है

नफरत से तपती दुपहरी में भी

उल्फ़त से मेहकी वो ठंडी फिज़ा है।

1 किसने ना पाया दिदार उसका

गर बनकर आया तलबगार उसका।

दूरी खुदा से ऐ मेरे यारों,

सहना सकोगे यह ऐसी सज़ा है।

2 कब तक यूँ आहें भरते जीयोगें,

तलकी का प्याला यूँ कब तक पीयोंगे

आओ पीयों ज़िन्दगी का पानी,

रूह और दुल्हन की यही इल्तिज़ा है।